<u>राज्य सभा</u>

तारांकित प्रश्न संख्या *398

04 अप्रैल, 2018 को उत्तर के लिए

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड की कॉरपोरेट योजना के अनुसार हॉट मेटल उत्पादन का लक्ष्य

***398. श्री संजय सिंहः**

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) 23.6 एमटी हॉट मेटल उत्पादन के लक्ष्य को कब प्राप्त करेगा, जिसे 'सेल' की कॉरपोरेट योजना, 2012 के अनुसार दस वर्ष पूर्व वर्ष 2007-08 में अभिकल्पित किया गया था और जिसे वर्ष 2012 के अंत तक पूरा किया जाना था, जबकि तथ्य यह है कि 'सेल' का हॉट मेटल उत्पादन वर्ष 2007-08 से अभी तक 15.0 एमटी से थोड़ा ही अधिक है; और

(ख) इस तथ्य के मद्देनज़र कि वर्ष 2015, 2016 और 2017 के दौरान पाटन, वैश्विक अति-आपूर्ति और मांग में गिरावट अधिकतम थी, क्या 'सेल' ने आधुनिकीकरण और विस्तार योजना संबंधी कार्य को पूरा करने में अत्यधिक विलंब के कारण वर्ष 2010 और वर्ष 2015 के बीच विपणन के अवसर को खो दिया?

<u>उत्तर</u>

इस्पात मंत्री (श्री चौधरी बीरेन्द्र सिंह)

(क) और (ख): एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

*****

"स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड की कॉरपोरेट योजना के अनुसार हॉट मेटल उत्पादन का लक्ष्य" के बारे में श्री संजय सिंह, संसद सदस्य द्वारा राज्य सभा में दिनांक 04 अप्रैल, 2018 के लिए पूछे गए तांराकित प्रश्न संख्या *398 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क): स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने भिलाई (छत्तीसगढ़), बोकारो (झारखंड), राउरकेला (ओडिशा), दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल) और बर्नपुर (पश्चिम बंगाल) स्थित अपने सभी पाँच एकीकृत इस्पात संयंत्रों तथा सेलम (तमिलनाडु) स्थित विशेष इस्पात संयंत्र में आधुनिकीकरण और विस्तार कार्य शुरू किया था। इसमें विस्तार से पूर्व 13.82 मिलियन टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) की हॉट मेटल उत्पादन क्षमता को विस्तार कार्य के पश्चात् बढ़ाकर 23.46 एमटीपीए करने की परिकल्पना की गई है।

राउरकेला, बर्नपुर, दुर्गापुर, बोकारो और सेलम इस्पात संयंत्रों में आधुनिकीकरण और विस्तार कार्य पूरे कर लिए गए हैं तथा विभिन्न सुविधाएं प्रचालन, स्थिरीकरण और रेम्प-अप के अधीन है। दो नए बड़े ब्लास्ट फर्नेस अर्थात राउरकेला और इस्को बर्नपुर में एक-एक, सम्बद्ध डाउनस्ट्रीम सुविधाओं के साथ कमीशन कर लिए गए हैं और तदनुसार, सेल ने अपनी हॉट मेटल क्षमता में लगभग 5.6 एमटीपीए की बढ़ोतरी की है। भिलाई इस्पात संयंत्र में नया ब्लास्ट फर्नेस-8 दिनांक 02.02.2018 को ब्लॉन-इन कर दिया गया है तथा अयस्क हैंडलिंग प्लांट पार्ट-बी, फ्यूल फ्लक्स क्रशिंग एंड स्क्रीनिंग फैसिलिटीज और स्टील मेल्टिंग शॉप संख्या-3 को छोड़कर सभी सुविधाएं पूरी कर ली गई हैं। एकीकृत इस्पात संयंत्रों में नई सुविधाओं से उत्पादन को रेम्प-अप करने में इनमें प्रयुक्त प्रौद्योगिकी के आधार पर 1 से 2 वर्ष का समय लगता है।

(ख): सेल की आधुनिकीकरण और विस्तार योजना के अंतर्गत मुख्य परियोजनाएं वर्ष 2008-2009 में आरंभ की गई थी और इन्हें लगभग 5 वर्षों में पूरा किया जाना था। नई सुविधाओं से उत्पादन को रेम्प-अप करने में एक से दो वर्षों का समय लगता है। सरकार ने घरेलू उद्योग को डंपिंग से राहत प्रदान करने के लिए वर्ष 2015 से विभिन्न उपाय किए हैं। वर्ष 2015-16, 2016-17 और 2017-18 के दौरान सेल के संयंत्रों से कुल बिक्री योग्य इस्पात की बिक्री में गत वर्ष की समान अवधि की तुलना में क्रमशः 3.5%, 8.1% और 7.6% (अनंतिम) की निरंतर वृद्धि दर्ज की गई है।

****